जनचेतना को दूषित करना...

मिथक और घृणा के कारण जो सामान्य सामाजिक सोच होती है,
हिंसा की शुरूआत उसी से होती है जो साम्प्रदायिक राजनीति का आधार होती है।

ईसाइयों के बारे में मिथक

विदेशी पैसा, धर्मांतरण

हिंदुओं के बारे में मिथक

सहिष्णुता और अहिंसक

मुसलमानों के बारे में मिथक

आतंकवादी और विदेशी

ईसाइयों के बारे में मिथक–विदेशी, गैर-भारतीय, विदेशी पैसा
हिंदुओं के बारे में मिथक–सहिष्णु और अहिंसक,
मुसलमानों के बारे में मिथक–भारत व हिंदू विरोधी, मुसलमानों ने आक्रमण किया, दंगे शुरू करवाते हैं। भारत की प्राचीन सभ्यता का गर्व नहीं करते।

स्कूलों में इतिहास के सांप्रदायिक नजरिए को तैयार और पोषित किया गया। इसके अनुसार इतिहास के काल, धर्म के आधार पर बांटे जाते हैं : हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश (ईसाई काल नहीं)।

मुस्लिम काल में शासन ढांचे (जमींदार, राजा, दरबारी) में हिंदू और मुसलमान दोनों शामिल थे। आज जिसे मुस्लिम काल कहा जाता है उसमें हिंदू भी शासक अभिजनों का हिस्सा थे। भूमिहीन गरीब किसान आदि के रूप में नीची जाति के हिंदुओं की अवस्था गरीब मुसलमानों जैसी ही थी। इतिहास का सांप्रदायिक नजरिया अंग्रेजों द्वारा 'बांटो और राज करो' की राजनीति के तहत यहाँ लाया गया था।